यह पुस्तक किन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी है?

एक किताब, अनेक परीक्षाएँ

चाहे आपका लक्ष्य हो—

1 शिक्षक भर्ती

- SUPER TET
- PRT • TGT
- PGT • DSSSB
- KVS • NVS
- EMRS

2 पुलिस एवं अन्य भर्ती

- UPSI • ASI
- UP Police
- SSC GD
- BDO • VDO
- Stenographer

3 शिक्षक पात्रता परीक्षा

- CTET
- UPTET
- REET
- MP TET • HTET
- UTET

4 प्रवेश परीक्षाएँ

- D.El.Ed
- B.Ed
- CUET एवं अन्य परीक्षाएँ

लक्ष्य अलग हो सकता है... लेकिन हिन्दी की मजबूत तैयारी की जरूरत एक ही है।

इस पुस्तक की सबसे बड़ी ताकत

एक ही पुस्तक... सम्पूर्ण तैयारी की गारंटी!

इस पुस्तक को केवल जानकारी देने के लिए नहीं, बल्कि सटीक और परिणामकारी तैयारी के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसका निर्माण इस सोच के साथ किया गया है कि—

- छात्र को बार-बार अलग-अलग Sources न देखने पड़ें
- तैयारी Chapter-wise और Concept-wise मजबूत बने
- Revision आसान हो
- Practice Exam-Oriented हो
- हिन्दी एक मजबूत Scoring Subject बन सके

यह सिर्फ पुस्तक नहीं, एक सुव्यवस्थित तैयारी प्रणाली है।

इस पुस्तक में क्या-क्या मिलेगा? 📚

हिंदी BOOK में सम्मिलित प्रमुख सामग्री:

व्याकरण	शब्दावली	साहित्य	काव्य	अभ्यास प्रश्न
संपूर्ण सिद्धांत + अभ्यास प्रश्न	पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, शब्द-युग्म	कवि, लेखक, रचना, पंक्ति, पुरस्कार, पत्र-पत्रिका	रस, छंद, अलंकार, सम्मेलन संस्था, मुहावरे और लोकोक्तियाँ	अध्यायवार परीक्षा सामग्री

यानि Concept + Coverage + Practice — सब कुछ एक ही पुस्तक में।

परीक्षा गुरु
सामान्य हिंदी
2026 Edition
(व्याकरण, शब्दावली, साहित्य, काव्य एवं हिंदी विविध)
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी
पुलिस | कलर्क | लेखपाल | पटवारी | वनरक्षक | समीक्षा अधिकारी | सहायक समीक्षा अधिकारी
सभी राज्य स्तरीय परीक्षा एवं राज्य लोक सेवा आयोग एवं अन्य आयोग (UPSSSC)
की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए रामबाण
शिक्षक भर्ती
All State - DSSSB | KVS | NVS | EMRS | BPSC | M.P. | RJ (I & II Grade) | PRT | TGT | PGT | अन्य शिक्षक भर्ती
पुलिस भर्ती
UPSI | ASI | UP Police | SSC GD | BDO | VDO | स्टेनोग्राफर | लाइब्रेरियन
All State - UPPET | HSSC | HR CET | STET | लिखित परीक्षा | DSSSB DASS Grade - II | JE
शिक्षक पात्रता परीक्षा
शिक्षक पात्रता परीक्षा (Teacher Eligibility/ Qualification Exam)
All State - TET - CTET | UPTET | REET | MP TET | HTET | UTET
प्रवेश परीक्षा
प्रवेश परीक्षा (Entrance Exam)
All State - D.El.Ed, B.ED, CUET विश्वविद्यालय
21 दिन में हिंदी सीखें
अरुण कुमार
सही मार्गदर्शन, पक्की तैयारी, निश्चित सफलता - Hindi by ARUN SIR
सही पुस्तक
सही दिशा
सफल भविष्य
सम्पूर्ण सिलेबस कवरेज
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष
सरल भाषा बेहतर समझ
सफलता की ओर एक कदम
Hindi by ARUN SIR
Better Preparation Brighter Tomorrow
STUDY
PRACTICE
SUCCESS
LEARN
PREPARE
ACHIEVE

BOOKS
BUILD
BETTER
FUTURES
DISCIPLINE
PREPARATION
KNOWLEDGE
SUCCESS
परीक्षा गुरु
सामान्य हिंदी
2026 Edition
(व्याकरण, शब्दावली, साहित्य, काव्य एवं हिंदी विविध)
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी
शिक्षक भर्ती
पुलिस भर्ती
शिक्षक पात्रता परीक्षा
प्रवेश परीक्षा
अरुण कुमार
सही मार्गदर्शन, पक्की तैयारी, निश्चित सफलता - Hindi by ARUN SIR
KNOWLEDGE | PREPARATION | SUCCESS
GRAND
BOOK
LAUNCH
Hindi by
ARUN SIR

GP PUBLICATION
सही मार्गदर्शन
सफलता की ओर
Launching
के पावन अवसर पर
नई हिन्दी पुस्तक का विमोचन
॥ हिंदी दिवस ॥
भाषा नहीं, हमारी पहचान है...
आइए, हिंदी के गौरव को और मजबूत करें!
हिंदी दिवस
14 सितम्बर
की हार्दिक शुभकामनाएं
सरल भाषा में अध्ययन
परीक्षाओं के लिए उपयुक्त
महत्वपूर्ण प्रश्नों का संकलन
बेहतर तैयारी के लिए उपयोगी
ज्ञान
संस्कार
समृद्धि
परीक्षा गुरु
सामान्य हिंदी
2026 Edition
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी
शिक्षक भर्ती
पुलिस भर्ती
प्रवेश परीक्षा
अरुण कुमार
14 सितम्बर
हिंदी दिवस
प्रकाशन कार्यालय
(ऑफिस परिसर)
(समय : ....)
“ हिंदी के साथ बेहतर कल की ओर...
सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं परीक्षार्थियों के लिए विशेष अवसर
हिंदी | संस्कार | सफलता

परीक्षा गुरु
सामान्य हिंदी
(व्याकरण, शब्दावली, साहित्य, काव्य एवं हिंदी विविध)
2026 Edition
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी
संपूर्ण एवं विस्तृत कवरेज
सरल भाषा एवं उदाहरण सहित
पिछले वर्षों के प्रश्नों का समावेश
परीक्षा पैटर्न पर आधारित सामग्री
एक ही पुस्तक... सम्पूर्ण तैयारी की गारंटी!
व्याकरण - संपूर्ण सिद्धांत + अभ्यास प्रश्न
शब्दावली - पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, शब्द-युग्म
साहित्य - कवि, लेखक रचना, पंक्ति, पुरस्कार, पत्र-पत्रिका
काव्य - रस, छंद, अलंकार, सम्मेलन संस्था, मुहावरे और लोकोक्तियाँ
अभ्यास प्रश्न - अध्यायवार परीक्षा सामग्री
परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्न
निर्धारित अध्ययन एवं संशोधित सामग्री
परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन की सुनिश्चित तैयारी
अरुण कुमार

Good Books Bright Future
KNOWLEDGE TODAY SUCCESS TOMORROW
परीक्षा गुरु
सामान्य हिंदी
2026 Edition
(व्याकरण, शब्दावली, साहित्य, काव्य एवं हिंदी विविधा)
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी
शिक्षक भर्ती
पुलिस भर्ती
शिक्षक पात्रता परीक्षा
प्रवेश परीक्षा
अरुण कुमार
सही मार्गदर्शन, पक्की तैयारी, निश्चित सफलता - Hindi by ARUN SIR
LEARN
PRACTICE
IMPROVE
SUCCEED
179₹
'परीक्षा गुरु'
सामान्य हिंदी
अब यहह BOOK
Flipkart पर उपलब्ध है !
आज ही अपनी BOOK Order करें
एक पुस्तक
सम्पूर्ण हिन्दी
बेहतर तैयारी
Hindi for a Brighter Tomorrow
Big Dreams Start with Good Books...

केवल उपयोगी ही नहीं, किफायती भी।

एक ऐसी पुस्तक, जो आपकी
हिन्दी की तैयारी को बनाए–
व्यवस्थित • सम्पूर्ण • Exam-Oriented

व्याकरण से शब्दावली तक, जरूरी Topics
एक ही स्थान पर–सरल, स्पष्ट और
परीक्षा-केंद्रित रूप में।

179₹

विशेष लॉन्च मूल्य

~~₹288/-~~

~~₹199/-~~

ONLY 🔥

सिर्फ एक किताब नहीं, आपकी तैयारी में एक Smart Investment.

हिन्दी की तैयारी कहाँ-कहाँ बनेगी निर्णायक?

एक विषय • अनेक परीक्षाएँ • बड़ी भूमिका

यह Book उन प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जहाँ हिन्दी परीक्षा का एक महत्वपूर्ण एवं स्राय स्कोरिंग हिस्सा है।

पुलिस एवं रक्षा भर्ती | Police & Defence Exams

परीक्षा	हिन्दी प्रश्न	अंक	Exam Weightage
UP Police Constable	37 प्रश्न	74 अंक	2 अंक प्रति प्रश्न
UPSI – Sub Inspector	40 प्रश्न	100 अंक	2.5 अंक प्रति प्रश्न
UP Police ASI / Clerk	50 प्रश्न	100 अंक	2 अंक प्रति प्रश्न
SSC GD Constable	20 प्रश्न	40 अंक	महत्वपूर्ण स्कोरिंग सेक्शन

जब हिन्दी के इतने अंक चयन में भूमिका निभाते हों,
तो तैयारी भी सामान्य नहीं—Exam-Oriented होनी चाहिए।

राज्य स्तरीय परीक्षाओं में हिन्दी का महत्व

State Exams & UPSSSC Recruitments

परीक्षा	प्रश्न	अंक / महत्त्व
UP RO / ARO – प्रारंभिक परीक्षा	60 प्रश्न	60 अंक
UPPSC	15–20 प्रश्न	लगभग 30–40 अंक
UPSSSC PET	15 प्रश्न	15 अंक
UPSSSC लेखपाल	10 प्रश्न	10 अंक
UPSSSC Lower PCS	5 प्रश्न	5 अंक
HSSC / Haryana CET	10–15 प्रश्न	10–15 अंक

इसके साथ ही हिन्दी की उपयोगिता– UPSSSC VDO / Gram Panchayat, UPSSSC Stenographer / Clerk, UPSSSC Junior Assistant एवं अन्य राज्य स्तरीय भर्तियों में भी महत्वपूर्ण है।

UPSSSC PET: 5 अंक व्याकरण + 10 अंक गद्यांश आधारित प्रश्न

एक मजबूत हिन्दी सेक्शन आपके Overall Score में निर्णायक अंतर पैदा कर सकता है।

Teaching Exams में हिन्दी की बड़ी भूमिका

Teacher Eligibility & Recruitment Exams

परीक्षा	हिन्दी / भाषा प्रश्न	कुल अंक
CTET Paper I & II	30 प्रश्न	30 अंक
UPTET / REET / MP TET / HTET	30 प्रश्न	30 अंक
UP SUPER TET – PRT	20 प्रश्न	20 अंक
DSSSB – PRT / TGT / PGT (Part-A)	20 प्रश्न	20 अंक

- CTET में: 15 अंक गद्यांश/पद्यांश + 15 अंक Language Pedagogy
- TET परीक्षाओं में: भाषा-I अथवा भाषा-II के रूप में हिन्दी आपकी Merit को सीधे प्रभावित कर सकती है।

इसी व्यापक Exam Coverage को ध्यान में रखकर तैयार की गई है Book — व्याकरण से शब्दावली तक
• साहित्य से हिन्दी विविध तक एक पुस्तक • अनेक परीक्षाएँ • एक लक्ष्य — बेहतर परिणाम। 📚✨

सम्पूर्ण हिन्दी पाठ्यक्रम

'परीक्षा गुरु – सामान्य हिन्दी' | Grammar • Vocabulary • Poetry

1. हिन्दी व्याकरण | 20 अध्याय

वर्णमाला • संधि • उपसर्ग
प्रत्यय • संज्ञा • सर्वनाम
विशेषण • क्रिया • अव्यय
कारक • समास • लिंग
वचन • विराम चिह्न
वाक्य • पदबंध • वाच्य
काल • वृत्ति एवं पक्ष
वाक्यगत अशुद्धियाँ

1

2. शब्दावली | 7 अध्याय

पर्यायवाची • विलोम
वाक्यांश के लिए एक शब्द
समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द
अनेकार्थी शब्द
शुद्ध-अशुद्ध वर्तनी
शब्दकोश

2

3. हिन्दी काव्य | 5 अध्याय

रस • छंद
अलंकार
शब्द-शक्ति
काव्य-गुण

3

व्याकरण, शब्दावली और काव्य का सुव्यवस्थित एवं सम्पूर्ण Coverage।

साहित्य से गद्यांश तक Complete Coverage

Literature • Hindi Vividh • Comprehension

4. हिन्दी साहित्य

हिन्दी साहित्य का इतिहास

आदिकाल • भक्तिकाल • रीतिकाल • आधुनिक काल

प्रमुख साहित्यिक विधाएँ

उपन्यास • कहानी • निबंध • नाटक • एकांकी • जीवनी • रेखाचित्र संस्मरण • यात्रा-वृत्तांत

विशेष साहित्यिक अध्ययन

प्रसिद्ध कवि एवं रचनाएँ • महत्वपूर्ण पंक्तियाँ एवं सूक्तियाँ • प्रमुख संप्रदाय काव्यशास्त्र • साहित्यिक वाद

4

5. हिन्दी विविध

पुरस्कार एवं सम्मान • पत्र-पत्रिकाएँ • गुरु-शिष्य • उपनाम एवं उपाधियाँ • विश्व हिन्दी सम्मेलन • हिन्दी में प्रथम • प्रमुख संस्थाएँ • मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ • रिक्त स्थान • पत्र लेखन • प्रशासनिक एवं पदनाम शब्दावली

5

6. अपठित गद्यांश एवं पद्यांश

Reading Comprehension आधारित प्रश्नों की विशेष तैयारी

6

साहित्य, हिन्दी विविध और गद्यांश/पद्यांश का सुव्यवस्थित एवं सम्पूर्ण Coverage।

अब हिन्दी की तैयारी के लिए Multiple Books नहीं।

अलग-अलग Books, Notes और Sources का झंझट खत्म।

व्याकरण से शब्दावली तक, काव्य से साहित्य तक, और गद्यांश से हिन्दी विविध तक—
हिन्दी का सम्पूर्ण Exam-Oriented Syllabus, अब एक ही पुस्तक में।

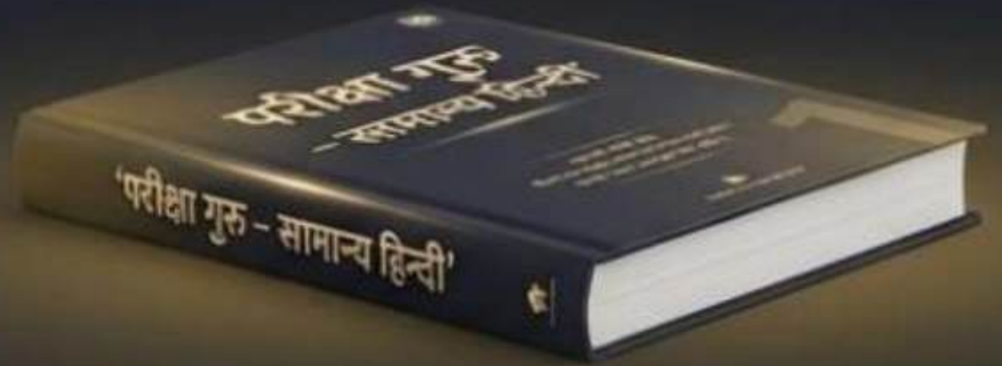

'परीक्षा गुरु – सामान्य हिन्दी' 📚✨

एक पुस्तक। सम्पूर्ण हिन्दी। सम्पूर्ण तैयारी।

"अब हिन्दी के लिए कई किताबें नहीं—बस एक 'परीक्षा गुरु' काफी है।"🔥

SelectionWay
New way of Learning

THANK YOU

मुहावरों

1. अँगूठा दिखाना – वक्त पर साफ़ मना कर देना
2. अंगारे उगलना – अत्यधिक क्रोध में कटु या कड़वे वचन बोलना
3. अंधा होना – विवेक खो देना या भले-बुरे का ज्ञान न रहना
4. अंधे की लाठी होना – एकमात्र सहारा होना
5. अक्ल का अंधा होना – पूरी तरह मूर्ख होना
6. अक्ल के पीछे लट्ठ लिए फिरना – मूर्खतापूर्ण काम करना

7. अक्ल चरने जाना – बुद्धि का समय पर काम न करना

8. अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना – अपनी प्रशंसा स्वयं करना

9. अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना – अपना नुकसान स्वयं करना

10. अपने पैरों पर खड़ा होना – आत्मनिर्भर होना

11. आँख का तारा होना – अत्यधिक प्रिय होना

12. आँखें खुलना – होश आना या वास्तविकता का ज्ञान होना

13. आँखें चुराना – कतराना या सामने आने से बचना

14. आँखें बिछाना – अत्यधिक प्रेम से स्वागत या प्रतीक्षा करना

15. आँखें फेर लेना – प्रतिकूल हो जाना या पहले जैसा व्यवहार न रखना

16. आँखों में धूल झोंकना – धोखा देना

17. आँच न आने देना – ज़रा सा भी कष्ट या नुकसान न होने देना

18. आँसू पीकर रह जाना – दुःख या भीतर के रोने को ज़बरदस्ती दबा लेना

19. **आकाश-पाताल एक करना** – अत्यधिक कठिन परिश्रम करना

20. **आकाश के तारे तोड़ना** – असंभव कार्य को करने का प्रयास करना

21. **आग बबूला होना** – अत्यधिक क्रोधित होना

क्रोध, आलस्य

22. **आग में घी डालना** – क्रोध या झगड़े को और अधिक भड़काना

23. **आनाकानी करना** – टालमटोल करना या मना करने का बहाना खोजना

24. **आपे से बाहर होना** – अपने वश में न रहना या अत्यधिक क्रोधित होना

25. आसमान पर चढ़ाना – अत्यधिक प्रशंसा करके घमंडी बना देना

26. आसमान सिर पर उठाना – बहुत अधिक उपद्रव या शोर मचाना

27. ईंट का जवाब पत्थर से देना – दुष्ट के साथ कड़ा व्यवहार करना या करारा जवाब देना

28. ईंट से ईंट बजाना – पूरी तरह से नष्ट-भ्रष्ट कर देना

29. ईद का चाँद होना – बहुत दिनों बाद दिखाई देना

30. उँगली पर नचाना – अपनी इच्छा के अनुसार वश में रखना या चलाना

31. **उँगली उठाना** – किसी पर दोष लगाना या कलंकित करना

32. **उड़ती चिड़िया पहचानना** – मन की बात को दूर से ही ताड़ लेना

33. **उन्नीस-बीस का अंतर होना** – बहुत ही मामूली या बहुत कम अंतर होना

34. **उल्लू सीधा करना** – अपना स्वार्थ सिद्ध करना या अपना काम निकालना

35. **ऊँट की चोरी निहुरे-निहुरे** – किसी बड़े या प्रकट होने वाले काम को छिपाकर करने की कोशिश करना

36. एक आँख से देखना – सबके साथ समान व्यवहार करना

37. एक और एक ग्यारह होना – संगठन में बहुत बड़ी शक्ति होना

38. एक लाठी से सबको हांकना – अच्छे-बुरे का अंतर किए बिना सबके साथ एक जैसा व्यवहार करना

39. एड़ी-चोटी का जोर लगाना – पूरा प्रयास या कठिन परिश्रम करना

40. ओखली में सिर देना – जान-बूझकर मुसीबत मोल लेना

41. ओस के मोती होना – बहुत ही क्षणभंगुर या जल्दी नष्ट होने वाली वस्तु

42. कलेजा ठंडा होना – संतोष होना या मन को शांति मिलना

43. कलेजे पर सांप लोटना – ईर्ष्या या डाह से बुरी तरह जलना

44. काटो तो खून नहीं – अत्यधिक भयभीत या स्तब्ध रह जाना

45. कान कतरना – चालाकी या चतुराई में बहुत आगे निकल जाना

46. कान का कच्चा होना – किसी भी बात पर बिना सोचे-समझे तुरंत विश्वास कर लेना

47. **कान भरना** – पीठ पीछे किसी की शिकायत या चुगली करना

48. **कान पर जूँ न रेंगना** – बात का ज़रा सा भी असर न होना या बिल्कुल परवाह न करना

49. **काया पलट जाना** – पूरी तरह से रूप या स्थिति का बदल जाना

50. **कीचड़ उछालना** – किसी को बदनाम करना या चरित्र पर लांछन लगाना

51. **खटाई में पड़ना** – काम का अनिश्चित हो जाना या रुक जाना

52. **खरी-खोटी सुनाना** – साफ़-साफ़ कड़वी बातें कहना या डांटना

53. **खाक छानना** – दर-दर भटकना या व्यर्थ का परिश्रम करना

54. **खिचड़ी पकाना** – गुप्त रूप से कोई योजना या षड्यंत्र रचना

55. **खिल्ली उड़ाना** – उपहास या मज़ाक उड़ाना

56. **खून का घूंट पीना** – भीतर ही भीतर गुस्सा दबाकर शांत रह जाना

57. **खून पसीना एक करना** – बहुत अधिक कठिन परिश्रम करना

58. **खेत रहना** – युद्ध में वीरगति को प्राप्त होना (शहीद होना)

59. गंगा नहाना – किसी बहुत बड़े या कठिन कार्य को पूरा कर लेना

60. गड़े मुर्दे उखाड़ना – पुरानी भूली हुई बातों या विवादों को दोबारा शुरू करना

61. गाल बजाना – डींग हाँकना या व्यर्थ की बकवास करना

62. गागर में सागर भरना – कम शब्दों में बहुत गहरी या बड़ी बात कह देना

63. गिरगिट की तरह रंग बदलना – अवसरवादी होना या अपनी बात से बार-बार बदलना

64. गुदड़ी का लाल होना – निर्धन परिवार में गुणी व्यक्ति का जन्म होना

65. गूलर का फूल होना – दुर्लभ होना या कभी दिखाई न देना

66. घड़ों पानी पड़ना – अत्यधिक लज्जित या शर्मिंदा होना

67. घी के दीए जलाना – अत्यधिक खुशियाँ मनाना (खुशहाली आना)

68. घाव पर नमक छिड़कना – दुःखी व्यक्ति को और अधिक दुःखी करना

69. घास खोदना – व्यर्थ में अपना समय नष्ट करना

70. चंपत होना – रफूचक्कर हो जाना या भाग जाना

71. चकित रह जाना – अत्यधिक आश्चर्य में पड़ जाना

72. चादर बाहर पैर पसारना – आय या आमदनी से अधिक खर्च करना

73. चार चाँद लगाना – किसी वस्तु या प्रतिष्ठा की शोभा को और बढ़ा देना

74. चोली-दामन का साथ होना – बहुत गहरा या अटूट संबंध होना

75. च्युइंगम चबाना / चबा चबा कर बात करना – बात को बहुत अधिक लंबा खींचना

76. छाती पर मूंग दलना – पास रहकर दूसरों को लगातार कष्ट या दुःख देना

77. छाती पर सांप लोटना – ईर्ष्या या जलन से बुरी तरह तड़पना

78. छक्के छूटना – बुरी तरह पराजित होना या होश उड़ जाना

79. छप्पर फाड़कर देना – बिना किसी विशेष प्रयास के अचानक बहुत अधिक धन मिलना

80. छोटा मुँह बड़ी बात – अपनी योग्यता या उम्र से बढ़कर बड़ी बातें करना

81. जमीन पर पैर न पड़ना – अत्यधिक घमंड होना या अत्यधिक खुश होना

82. **ज़हर का घूंट पीना** – कड़वी और अपमानजनक बात को चुपचाप सह लेना

83. **जान हथेली पर रखना** – मृत्यु की परवाह न करते हुए भारी जोखिम उठाना

84. **जान पर खेलना** – बहुत बड़ा संकट मोल लेना

85. **जी चुराना** – किसी काम को करने से बचना या भागना

86. **जी खट्टा होना** – किसी बात या व्यवहार से मन में विरक्ति या अरुचि पैदा होना

87. **जी जान से लगना** – पूरी शक्ति और लगन के साथ काम में जुट जाना

88. **जीभ का चटोरा होना** – खाने-पीने का बहुत अधिक शौकीन होना

89. **जूँ न रेंगना (कान पर)** – बात का ज़रा सा भी असर न होना

90. **जैसी रूह वैसे फरिश्ते** – जैसे खुद होना वैसे ही साथी मिलना

91. **जौहर दिखाना** – अपनी वीरता, कला या योग्यता का प्रदर्शन करना

92. **ठंडा पड़ना** – जोश या उत्साह का पूरी तरह समाप्त हो जाना

93. **टाँग अड़ाना** – किसी के कार्य में व्यर्थ का विघ्न या बाधा डालना

94. टस से मस न होना – अपनी बात या जगह पर पूरी तरह अड़े रहना

95. टेढ़ी खीर होना – बहुत अधिक कठिन या दुसाध्य कार्य होना

96. टोपी उछालना – किसी का सरेआम अपमान या बेइज्जती करना

97. ठकुरसुहाती करना – केवल चापलूसी या खुशामद की बातें करना

98. ठिकाने लगाना – पूरी तरह समाप्त या नष्ट कर देना

99. डंका बजाना – प्रभाव या ख्याति स्थापित करना

100. ढाक के तीन पात – हमेशा एक जैसी स्थिति रहना (कोई सुधार न होना

101. तिल का ताड़ बनाना – छोटी सी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर कहना

102. तीतर-बीतर होना – बिखर जाना या चारों ओर भाग जाना

103. तिनके का सहारा होना – संकट में थोड़ी सी मदद मिलना

104. तोते की तरह आँखें फेरना – पुराने संबंधों को पूरी तरह भुला देना या बेरुखी अपनाना

105. तेवर चढ़ना – बहुत अधिक क्रोधित होना

106. तोते उड़ जाना (हाथ के) – अचानक होश उड़ जाना या घबरा जाना

107. थूकर चाटना – अपनी ही कही हुई बात से मुकर जाना

108. थाली का बैंगन होना – सिद्धांतहीन होना या बार-बार पक्ष बदलना

109. दम तोड़ना – मर जाना या अंतिम साँस लेना

110. दाँत खट्टे करना – बुरी तरह पराजित करना (हरा देना)

111. दाँतों तले उँगली दबाना – अत्यधिक आश्चर्यचकित होना

112. दाई से पेट छिपाना – जानकार व्यक्ति से ही किसी बात को छिपाने का प्रयास करना

113. दाल न गलना – युक्ति या चाल का सफल न होना (काम न बनना)

114. दिन दूनी रात चौगुनी होना – बहुत तेज़ी से तरक्की या उन्नति होना

115. दिक़्क़त में डालना – संकट पैदा करना

116. दीया तले अंधेरा होना – दूसरों को ज्ञान देने वाले के अपने घर या पास में ही दोष होना

117. दुम दबाकर भागना – डरकर चुपचाप भाग जाना

118. दूध का दूध और पानी का पानी होना – पूरी तरह निष्पक्ष और सही न्याय होना

119. दो नावों पर पैर रखना – एक साथ दो विरोधी पक्षों या कार्यों में शामिल होना

120. धता बताना – चकमा देकर भाग जाना या साफ़ मना कर देना

121. धाक जमाना – अपना रोब या प्रभाव स्थापित करना

122. धूल चटाना – बुरी तरह हरा देना या परास्त करना

123. धूप में बाल सफेद करना – बिना किसी अनुभव के ही बूढ़ा होना

124. धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का – कहीं का न रहना (निकम्मा होना)

125. ध्यान में आना – समझ में आना या याद आना

126. नकेल हाथ में होना – पूरी तरह अपने नियंत्रण या वश में होना

127. नज़र चुराना – शर्म के मारे सामने न आना या कतराना

128. नब्ज पहचानना – किसी के स्वभाव या मन की बात को अच्छी तरह जान लेना

129. नमक-मिर्च लगाना – बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर या मसालेदार बनाकर कहना

130. नब्बे-निन्यानबे का फेर होना – धन कमाने या जोड़ने के चक्कर में पड़े रहना

131. नहले पर दहला मारना – मुँहतोड़ जवाब देना या किसी की चाल का करारा जवाब देना

132. नाक का बाल होना – अत्यधिक प्रिय होना

133. नाक रगड़ना – दीनतापूर्वक विनती करना या माफ़ी माँगना

134. नाक कटना – प्रतिष्ठा या इज्जत नष्ट होना

135. नाकों चने चबाना – बहुत अधिक तंग करना या परेशान होना

136. नाड़ी देखना – दशा या स्थिति की जाँच करना

137. नाम कमाना – यश या ख्याति प्राप्त करना

138. नाम डुबोना – कुल या परिवार को कलंकित करना

139. नौ-दो ग्यारह होना – रफूचक्कर हो जाना या भाग जाना

140. नौ दिन चले अढ़ाई कोस – बहुत धीमी गति से कार्य करना

141. पगड़ी उछालना – सरेआम बेइज्जती या अपमान करना

142. पहाड़ टूट पड़ना – अचानक बहुत बड़ा भारी संकट आ जाना

143. पाँचों उँगलियाँ घी में होना – सब ओर से लाभ ही लाभ होना

144. पानी-पानी होना – अत्यधिक लज्जित या शर्मिंदा होना

145. पानी पीकर कोसना – हर समय किसी का बुरा चाहना या बुराई करना

146. पापड़ बेलना – बहुत कठिन परिश्रम या संघर्ष का जीवन जीना

147. पासा पलटना – अचानक भाग्य या बाजी का बदल जाना

148. पीठ दिखाना – युद्ध के मैदान से भाग जाना (कायरता दिखाना)

149. पीठ थपथपाना – शाबाशी देना या सांत्वना देना

150. पेट में दाढ़ी होना – छोटी उम्र में ही बहुत अधिक चालाक या बुद्धिमान होना

151. फटेहाल होना – अत्यंत दरिद्र या दयनीय स्थिति में होना

152. फूंक-फूंककर पैर रखना – बहुत अधिक सोच-समझकर या सावधानी से काम करना

153. फूलकर कुप्पा होना – अत्यधिक प्रसन्न होना या घमंड से भर जाना

154. बगुला भगत होना – पाखंडी होना या ऊपर से साधु और भीतर से दुष्ट होना

155. बट्टा लगाना – कलंकित करना या प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाना

156. बन्दर घुड़की देना – केवल डराने के लिए झूठी धमकी देना (गीदड़ भभकी)

157. बसंत का कोकिल होना – अच्छे दिनों में साथ रहने वाला मौजी साथी

158. बाएँ हाथ का खेल होना – बहुत ही आसान या सरल कार्य होना

159. बाजी मारना – जीत जाना या आगे निकल जाना

160. बाल की खाल निकालना – व्यर्थ का बहुत बारीक दोष या मीन-मेख निकालना

161. बाल-बाल बचना – बहुत भयंकर संकट से बाल बराबर दूरी से सुरक्षित निकल जाना

162. बीड़ा उठाना – किसी बहुत कठिन कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी या संकल्प लेना

163. बिल्ली के भागों छींका टूटना – अचानक बिना किसी उम्मीद के भाग्यवश कोई मनचाही वस्तु मिलना

164. भद्र पुरुष होना – सभ्य और सज्जन व्यक्ति होना

165. भनक पड़ना – किसी गुप्त बात का थोड़ा सा आभास या कान में पड़ना

166. भसड़ मचना – भारी अव्यवस्था, शोर-शराबा या उपद्रव होना

167. भाड़ झोंकना – समय नष्ट करना या कोई फालतू का काम करना

168. भीगी बिल्ली बनना – डर के मारे बिल्कुल सहम जाना या नम्र बन जाना

169. भूत सवार होना – किसी बात की धुन या पागलपन सवार हो जाना

170. भेड़िया धसान होना – बिना सोचे-समझे अंधानुकरण करना (एक के पीछे सब भागना)

171. **भैंस के आगे बीन बजाना** – मूर्ख या बुद्धिहीन के सामने ज्ञान की बातें करना पूरी तरह व्यर्थ होना

172. **मखौल उड़ाना** – खिल्ली उड़ाना या मज़ाक बनाना

173. **मगरमच्छ के आँसू बहाना** – दिखावे का झूठा दुःख या सहानुभूति प्रकट करना

174. **मटियामेट करना** – पूरी तरह से नष्ट-भ्रष्ट या बर्बाद कर देना

175. **मन खट्टा होना** – व्यवहार या बात के कारण मन में अरुचि या विरक्ति होना

176. मन के लड्डू खाना – केवल कल्पना करके ही खुश होते रहना (हवाई किले बनाना)

177. मरोड़ उठना – मन में ईर्ष्या या कसक पैदा होना

178. मर्माहत होना – दिल को बहुत गहरी चोट या दुःख पहुँचना

179. मला मल्ल होना – कड़ा मुकाबला होना

180. माथा ठनकना – अनिष्ट की आशंका होना या किसी गड़बड़ का शक होना

181. माथे पर बल पड़ना – असंतोष, चिंता या गुस्सा प्रकट होना

182. मान न मान मैं तेरा मेहमान – ज़बरदस्ती किसी के गले पड़ना

183. मियाँ की जूती मियाँ के सिर – किसी की चाल या साधन से उसी को मात देना

184. मिर्च लगना – कड़वी और सच्ची बात सुनकर बहुत बुरा लगना या चिढ़ना

185. मीन-मेख निकालना – व्यर्थ की कमियाँ या कमियाँ ढूँढ़ना

186. **मुँह की खाना** – बुरी तरह पराजित होना या मुँहतोड़ जवाब मिलना

187. **मुँह धो रखना** – किसी वस्तु की ऐसी आशा करना जो कभी पूरी न हो सके

188. **मुँह में पानी आना** – किसी स्वादिष्ट वस्तु को देखकर ललचा जाना

189. **मुँह मोड़ना** – वादे से मुकर जाना या प्रतिकूल हो जाना

190. **मुट्ठी गर्म करना** – रिश्वत (घूस) देना

191. मुट्ठी में होना – पूरी तरह अपने नियंत्रण या वश में होना

192. मुफ़्त का चन्दन घिस मेरे नन्दन – पराई या मुफ़्त की वस्तु का बेरहमी से इस्तेमाल करना

193. मुमूर्षु होना – मरणासन्न या बिल्कुल अंत के करीब होना

194. मुर्ग़े की एक ही टाँग होना – अपनी जिद पर अड़े रहना (गलत होने पर भी बात न बदलना)

195. मूल काटना – जड़ से समाप्त कर देना

196. मेढ़की को भी ज़ुकाम होना – तुच्छ या अयोग्य व्यक्ति द्वारा नखरे दिखाना या बड़ा बनने का ढोंग करना

197. मोम होना – कठोर हृदय का पिघल कर दयालु हो जाना

198. मोर का पंख लगना – अत्यधिक शोभा बढ़ जाना या प्रतिष्ठित होना

199. मौत को दावत देना – जान-बूझकर भारी संकट या जोखिम मोल लेना

200. म्याऊँ का ठौर पकड़ना – संकट के मुख्य कारण या बहुत जोखिम भरे काम का सामना करना

201. यमलोक भेजना – जान से मार देना या मृत्युदंड देना

202. यश कमाना – ख्याति या नेकनामी प्राप्त करना

203. युग पलटना – पूरी तरह से समय या परिस्थिति का बदल जाना

204. युद्ध का नगाड़ा बजना – लड़ाई की शुरुआत होना या घोषणा होना

205. रंग उड़ जाना – अचानक घबरा जाना या डर के मारे चेहरे का भाव बदल जाना

206. रंग में भंग पड़ना – खुशी या उत्सव के माहौल में अचानक कोई बाधा या विघ्न आ जाना

207. रफूचक्कर होना – पुलिस या संकट को देखकर तुरंत भाग जाना

208. राई का पहाड़ बनाना – छोटी सी बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर कहना

209. रास्ता देखना – बहुत बेचैनी या प्रेम से किसी की प्रतीक्षा करना

210. रोंगटे खड़े होना – अत्यधिक आश्चर्य, डर या उत्साह से रोमांचित हो जाना

211. लकीर का फकीर होना – पुरानी रूढ़ियों, अंधविश्वासों या परंपराओं पर ही चलते रहना

212. लल्लो-चप्पो करना – अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए अत्यधिक चापलूसी या मीठी बातें करना

213. लहू का घूंट पीना – अपमान या गहरे गुस्से को चुपचाप सह लेना

214. लोहा मानना – किसी की श्रेष्ठता, वीरता या शक्ति को स्वीकार करना

215. लाल-पीला होना – अत्यधिक क्रोधित होना

216. विष उगलना – किसी के प्रति मन में भरी कड़वाहट, द्वेष या कटु वचन बोलना

217. वादे का पक्का होना – अपनी बात का पूरी तरह निर्वाह करना (सत्यवादी होना)

218. हवा से बातें करना – बहुत तेज़ गति से दौड़ना या चलना

219. हथियार डाल देना – हार स्वीकार कर लेना या पूरी तरह आत्मसमर्पण करना

220. हथेली पर सरसों जमाना – बहुत कम समय में किसी असंभव कार्य को करने की जिद करना

221. हवाई किले बनाना – बिना किसी ठोस आधार के केवल कल्पना की ऊँची-ऊँची योजनाएँ बनाना

222. हाथ मलना – अवसर निकल जाने के बाद पछताना

223. हाथ साफ़ करना – किसी वस्तु की चोरी कर लेना या ठग लेना

224. हाथ धो बैठना – किसी प्रिय वस्तु को हमेशा के लिए खो देना

225. **हाथ खींचना** – सहायता बंद कर देना या किसी काम से अलग हो जाना

226. **हाथों-हाथ लेना** – बहुत अधिक उत्साह और आदर से स्वागत करना

227. **हुक्का-पानी बंद करना** – समाज या बिरादरी से पूरी तरह बहिष्कृत कर देना

228. **होश उड़ जाना** – अचानक लगे गहरे सदमे या डर से घबरा जाना

229. **क्षमा की याचना करना** – दीनतापूर्वक माफ़ी माँगना

230. **हतोत्साहित होना** – हिम्मत टूट जाना या निराशा से भर जाना

231. हृदय का पिघलना – दया या करुणा का भाव जागृत होना

232. हाथ पाँव फूलना – अत्यधिक डर या संकट के कारण घबरा जाना (बुद्धि काम न करना)

233. हँसते-हँसते प्राण देना – देश या कर्तव्य के लिए सहर्ष वीरगति को प्राप्त होना

234. क्षितिज को छूना – सफलता के सर्वोच्च शिखर पर पहुँचना

235. क्षणभंगुर होना – बहुत जल्दी नष्ट हो जाने वाली स्थिति होना

236. खून खोलना – अत्यधिक गुस्सा आना या जोश से भर जाना

237. घाव हरा होना – पुराना भूला हुआ दुःख या विवाद फिर से याद आ जाना

238. छाती तानकर खड़ा होना – निर्भीकता और साहस के साथ संकट का सामना करना

239. जलती आग में कूदना – जान-बूझकर भारी मुसीबत या जोखिम मोल लेना

240. ज़मीन-आसमान का अंतर होना – दो वस्तुओं या स्थितियों में बहुत भारी अंतर होना

241. तकदीर का ताला खुलना – अचानक भाग्य चमक जाना या अच्छे दिन आना

242. तिल-तिल कर मरना – बहुत तड़प-तड़प कर या धीरे-धीरे कष्ट झेलते हुए अंत की ओर बढ़ना

243. तोते की तरह रटना – बिना अर्थ या भाव समझे किसी बात को केवल ज़ुबानी याद कर लेना

244. धूप में बाल सुखाना – बिना किसी व्यावहारिक अनुभव के ही जीवन बिता देना

245. **नमक का हक अदा करना** – जिसके यहाँ खाया हो उसके प्रति पूरी तरह वफादार रहना

246. **पगड़ी रखना** – अपनी इज्जत या सम्मान किसी के हाथों में सौंप देना या गिड़गिड़ाना

247. **पत्थर की लकीर होना** – अमिट होना या कही गई बात का शत-प्रतिशत पक्का होना

248. **पापड़ बेलना** – जीवन में बहुत अधिक संघर्ष या कठिन परिस्थितियों का सामना करना

249. पासा पलटना – अचानक बाजी या भाग्य का बिल्कुल उल्टा हो जाना

250. ज्ञान की आँखें खुलना – अज्ञानता दूर होना या वास्तविकता का सही बोध हो जाना

Thank
You